पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.05.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपीलः

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस. कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – डा. अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-24 ज्येष्ठ-2081 दयानन्दाब्द 201 16 मई से 31 मई 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.05.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज ने दिया भाजपा को समर्थन

राष्ट्रवादी शक्तियों को विजयी बनाए –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

दिल्ली,रविवार 12 मई 2024, आर्य समाज अशोक विहार व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आर्य कार्यकर्ता बैठक का आयोजन आर्य समाज अशोक विहार,फेज 1, दिल्ली में किया गया। बैठक में देश की वर्तमान परिस्थितियों पर विचार करते हुए चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारी बहुमत से विजय बनाने की अपील की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का महत्व पूर्ण योगदान रहा है और अब राष्ट्र रक्षा का दायित्व भी आर्य जनों को निभाना है अपनी भारतीय संस्कृति की रक्षा के भाजपा को विजय बनाना अत्यन्त आवश्यक है।आज राष्ट्र विरोधी ताकतें सिर उठा रही है इसलिए राष्ट्रवादी विचार धारा को मजबूती प्रदान करने का दायित्व सभी को निभाना ही होगा।उन्होंने कहा कि धारा 370 समाप्त करना एवं श्री राम मंदिर का निर्माण मोदी कार्य काल की विशेष उपलब्धि रही है। भाजपा नेता, पार्षद योगेश वर्मा ने कहा कि आर्य समाज सदैव राष्ट्र को समर्पित है और संस्कृति रक्षा का कार्य कर्ता है उसका मोदी जी को समर्थन नयी शक्ति देने का कार्य करेगा। भाजपा प्रत्याशी प्रवीण खण्डेलवाल के दामाद रोहित गुप्ता ने भाजपा को समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता जीवन लाल आर्य ने की व कुशल संचालन राष्ट्रीय मंत्री देवेन्द्र भगत व दुर्गेश आर्य ने किया। गायिका प्रवीण आर्य पिंकी ने अपने मोदी जी के गीत से समा बाँध दिया। प्रमुख रूप से आर्य नेता प्रेम सचदेवा, आनंद प्रकाश आर्य, आशा भटनागर, राज अरोड़ा, विजय हंस, सतीश शास्त्री, विक्रांत चौधरी, कुन्दन लाल, दिनेश सिंह, अवधेश प्रताप सिंह, वेद भगत आदि उपस्थित थे।

जम्मू में आर्य युवा शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में 'विशाल आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर' रविवार 9 जून से रविवार 16 जून 2024 तक आर्य समाज जानीपूर कॉलोनी, जम्मू में आयोजित किया जा रहा है। समापन समारोह में दिल्ली में राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई जी एवं धर्मपाल आर्य जी पहुंच रहे हैं।

–सुभाष बब्बर, प्रान्तीय अध्यक्ष, (9419301915)

फरीदाबाद में आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद फरीदाबाद के तत्वावधान में 'विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' रविवार 2 जून से शनिवार 8 जून 2024 तक सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भारत कॉलोनी, सेक्टर 87, फरीदाबाद में आयोजित किया जा रहा है। समापन समारोह में दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य पहुंच रहे हैं।

–डॉ. वीरेंद्र योगाचार्य, प्रान्तीय महामंत्री, (9350615369)

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का शिविर हरियाणा में

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का वार्षिक राष्ट्रीय शिविर 2024 इस बार हरियाणा में दिनांक 8 जून से 16 जून तक राजकीय कन्या विद्यालय ग्राम–पोस्ट गांधरा, तहसील सांपला, जिला–रोहतक (हरियाणा) मोबाइल नम्बर 8700541461 में आयोजित किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिए 13 वर्ष से अधिक आयु की आर्य वीरांगनाएं 26 मई 2024 तक अपने नाम निम्नलिति नम्बरों पर देवें ताकि व्यवस्था सुचारु रूप से हो सके।

साध्वी डॉ. उत्तमा यति, प्रधान संचालिका (8750482498),
मुदृला चौहान, संचालिका (9810702760), **आरती खुराना**, सचिव (9910234595)

ऋषिभक्त आचार्य वेद प्रकाश श्रोत्रिय जी नहीं रहे

आर्यसमाज के शीर्ष विद्वान् एवं समर्पित ऋषिभक्त आचार्य पं. वेदप्रकाश श्रोत्रिय जी अब नहीं रहे। शनिवार दिनांक 11–5–2024 की रात्रि लगभग 1.00 उनकी मृत्यु का समाचार फेसबुक पर उनके भक्तों द्वारा डाली गई कुछ पोस्टों से ज्ञात हुआ। आचार्य श्रोत्रिय जी आर्यसमाज के शीर्ष विद्वान् एवं ऋषिभक्त एक अद्वितीय विद्वान थे। वह धारा प्रवाह बोलते थे। उनके व्याख्यान का प्रभाव ऐसा था जिसे शब्दों में बताया नहीं जा सकता। हम जब उनके प्रवचन सुना करते थे तो मन्त्रमुग्ध हो जाते थे। यह व्याख्यान शैली उनको अपने विद्यागुरु आचार्य विश्वबन्धु शास्त्री जी से मिली थी ऐसा हमारे कुछ मित्र बताते हैं। उनकी भाषा संस्कृतनिष्ठ, अलंकारिक एवं काव्यात्मक सी लगती थी। श्रोतात्रों के मन व मस्तिष्क पर उसका अद्भुत प्रभाव होता था। श्रोता उनके व्याख्यान को सुनकर स्वयं को सम्मोहित हुआ अनुभव करते थे। अब उनकी वह वाणी सदा के लिए मौन हो गई है। अब उनके प्रशंसक एवं भक्त उनकी वाणी को आडियो एवं वीडियों के अतिरिक्त सीधे उनके श्रीमुख से नहीं सुन सकेंगे। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति एवं सद्गति प्रदान करें। वह पुनः भारत भूमि में जन्म लेकर ऋषि मिशन के कार्य को सफल करने का प्रयास करें। उच्च संस्कारों से युक्त उनकी आत्मा के लिए ऐसी प्रार्थना करना हमें सार्थक लगता है। आचार्य वेद प्रकाश श्रोत्रिय जी का जन्म उत्तर प्रदेश के बदायूं जनपद के ग्रामीण अंचल में हुआ था। वहां उनके पिता और उनका परिवार आज भी निवास करते हैं। श्रोत्रिय जी लम्बे समय से दिल्ली में अपने परिवार के साथ निवास करते थे। श्रोत्रिय जी ऐसे विद्वान थे जिन्होंने गुरुकुल परम्परा से संस्कृत भाषा का अध्ययन किया था और आधुनिक भौतिक विज्ञान आदि अनेक विषयों का भी उनको उच्चस्तरीय ज्ञान था। उन्होंने विदेशों में जाकर अंग्रेज विद्वानों, वैज्ञानिकों के मध्य भी वैदिक सिद्धान्तों का तर्क एवं युक्ति के साथ पोषण किया था और विदेशी विद्वानों से वैदिक सिद्धान्तों का लोहा मनवाया था।

हमने पं. वेदप्रकाश श्रोत्रिय जी के दर्शन फरवरी, सन् 1997 में उदयपुर में आयोजित सत्यार्थप्रकाश न्यास के तीन दिवसीय सत्यार्थप्रकाश–महोत्सव में किए थे। यहां हमने उनके अनेक व्याख्यान सुने थे। ऐसे प्रभावशाली एवं मन्त्रमुग्ध कर देने वाले व्याख्यान हमने जीवन में पहली बार सुने थे। इस आयोजन में स्वामी विद्यानन्द सरस्वती जी का सम्मान किया गया था तथा उन्हें उनके योगदान के लिए 31 लाख रूपये की सम्मान धनराशि भेंट की गई थी जिसे स्वामी जी महाराज ने न्यास को न्यास की योजनाओं को पूरा करने के लिए लौटा दी थी। सौभाग्य से उदयपुर महोत्सव समाप्त होने के बाद हम जिस रेलगाड़ी से दिल्ली आ रहे थे उसी गाड़ी के उसी कोच में श्रोत्रिय जी, पं. राजेन्द्र जिज्ञासु जी, डा. सुरेन्द्र कुमार (मनुस्मृति के भाष्यकार एवं समीक्षक) एवं अन्य कुछ ऋषि भक्त यात्रा कर रहे थे। हमने इस महोत्सव में विद्वानों के जो जो व्याख्यान सुने और अन्य जिन वक्ताओं को सुना था उसका विस्तृत समाचार लिखकर स्थानीय एवं आर्यसमाज की पत्र–पत्रिकाओं को भेजा था। सर्वहितकारी के अंक में पूरे पृष्ठ का यह समाचार प्रकाशित हुआ था। श्रोत्रिय जी से यह हमारे पहले परिचय का वृतान्त है। जून सन् 2000 में देहरादून में गुरुकुल पौंधा की स्थापना स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी ने की थी। इसके बाद से जून के प्रथम रविवार को समाप्त किए जाने वाले तीन दिवसीय उत्सव गुरुकुल में होते आ रहे हैं। हमें अब तक गुरुकुल के सभी उत्सवों में सम्मिलित होने का अवसर मिला है। श्री वेद प्रकाश श्रात्रिए, डा. रघुवीर वेदालंकार, स्वामी धर्मेश्वरानन्द सरस्वती, डा. सोमदेव शास्त्री, डा. ज्वलन्त कुमार शास्त्री, पं. धर्मपाल शास्त्री, मेरठ, ओम्प्रकाश वर्मा, यमुनानगर, पं. सत्यपाल पथिक जी अमृतसर स्वामी प्रणवानन्द जी के निकट सहयोगी विद्वान रहे हैं। यह सभी प्रत्येक वर्ष गुरुकुल के उत्सवों में आते रहे हैं। अतः सन् 2020 से हमें गुरुकुल पौंधा में आचार्य श्रोत्रिय जी के व्याख्यानों को सुनने का अवसर मिलता आ रहा था। हम श्रोत्रिय जी के जो उपदेश सुनते थे उन्हें अपनी नोट बुक में लिखते थे जिसका समाचार वा विज्ञप्ति बनाकर उसे फेसबुक, व्हटशप तथा इमेल के द्वारा पत्र–पत्रिकाओं को प्रसारित करते थे। हमारे लिखे इन वर्णनों के आधार पर गुरुकुल पौंधा–देहरादून की मासिक पत्रिका के कुछ वर्षों के अंक भी प्रकाशित हुए हैं। इस कार्य को करते हुए हम इन विद्वानों के मानसिक रूप से निकट आ गये थे। इन सबसे सम्वाद भी करते थे और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त करते थे। करोना रोग के कारण जून, 2020 का उत्सव विद्वानो से आनलाइन सम्पर्क कर फेसबुक एव यूट्यूब पर लाइव प्रसारित करके किया गया था। ऐसा ही शायद जून, 2021 का उत्सव भी फेसबुक आदि के द्वारा गुरुकुल प्रेमियों तक मोबाइल फोन आदि के माध्यम से लाइव प्रेषित व प्रसारित किया गया था। रोग के कारण जून, 2020 के उत्सव के बाद श्रोत्रिय जी गुरुकुल नही आ सके थे। इस बीच कभी कभी कुछ महीनों के अन्तर पर वह हमें फोन करते थे, हालचाल पूछते थे और हमें अनेक परामर्श देते थे जो अत्यन्त उपयोगी होते थे।

हमें आचार्य श्रोत्रिय जी के व्याख्यानों को सुनने का अवसर गुरुकुल गौतमनगर, दिल्ली के दिसम्बर महीने में होने वाले उत्सवों के अवसर पर भी मिला। एक बार हम किसी कार्य से दिल्ली गए थे। दिल्ली में हमारा प्रवास गुरुकुल गौतमनगर, दिल्ली में स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती के पास होता था। उस दिन श्रोत्रिय जी स्वामी जी से चर्चा करने आये हुए थे। हम भी उस अवसर पर चर्चा में सम्मिलित हुए थे। उस दिन की भेंट को भी हम अपने जीवन में एक सौभाग्य दिवस के रूप में अनुभव करते हैं। श्री श्रोत्रिय जी का निधन आर्यसमाज की बहुत बड़ी क्षति है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती। श्रोत्रिय जी के बहुत से व्याख्यान यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। पाठक उपनी रूचि के अनुसार उनका कोई व्याख्यान सुन सकते हैं और उनके व्यक्तित्व एवं व्याख्यान के गुणों से परिचित हो सकते हैं। श्री श्रोत्रिय जी हमें अपने शेष जीवन काल में याद आते रहेंगे। हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और उनके परिवार जनों के साथ सम्वेदना में स्वयं को सम्मिलित करते हैं।

–मनमोहन कुमार आर्य, 196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001,फोनः09412985121

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान भवन को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो व केशव पुरम में यज्ञ सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने केन्द्र सरकार से अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद बलिदान भवन नया बाजार दिल्ली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की है। बलिदान भवन जर्जर दयनीय स्थिति में है उसका उद्धार होना ही चाहिए। सभी आर्य समाजों से अनुरोध है कि इसके लिए प्रधानमंत्री व गृह मंत्री को पत्र लिखकर भेजे। द्वितीय चित्र– रविवार 5 मई 2024 को आर्य समाज केशव पुरम दिल्ली में श्री देवेन्द्र आर्य व माता लीलावती आर्य की स्मृति में सामवेद यज्ञ का आयोजन किया गया। आचार्य सत्यवीर शर्मा का प्रवचन हुआ चित्र मे परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनंदन करते प्रधान सत्यवीर पसरीचा, मंत्री मनवीरसिंह राणा, मीना आर्य, संदीप आर्य। आर्य गायिका कविता आर्य ने संचालन किया व किरण सेठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ओ३म्
बलमुपास्व

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

(पंजीकृत)

आर्य नेता डॉ. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य
शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान की अध्यक्षता में आयोजित

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का

उद्घाटन समारोह

शनिवार, 1 जून, 2024, सायं: 5 से 7.00 बजे तक

भव्य समापन समारोह व आर्यों का मेला

रविवार, 9 जून, 2024 ❖ समय : प्रातः 11 से 1.00 बजे तक
स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा, उ0प्र0

आप उद्घाटन व समापन समारोह के अवसर पर युवा शक्ति को आशीर्वाद देने सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

अपनी-अपनी आर्य समाजों से स्पेशल बसों, आरटीवी, आदि का प्रबन्ध करके हजारों की संख्या में पहुँचें

नोटः ऋषि लंगर का सुन्दर प्रबन्ध रहेगा व सभी युवक 1 जून को दोपहर 2 बजे पहुंच जायें।

विशेष आकर्षण

युवकों द्वारा परेड, योगासन, दण्ड-बैठक, लाठी, जूडो-कराटे, बाक्सिंग स्तूप, लेजियम आदि का भव्य व्यायाम प्रदर्शन – निर्देशन : **योगेन्द्र शास्त्री व सौरभ गुप्ता**

दर्शनाभिलाषी

अनिल आर्य शिविर संचालक
आनन्द चौहान शिविर संरक्षक
प्रि. रेणू सिंह स्वागताध्यक्ष
मुक्तिकांत महापात्रा स्वागताध्यक्ष
महेन्द्र भाई शिविर संयोजक
गायत्री मीना स्वागताध्यक्ष
मधु भसीन स्वागत मंत्री
रामकुमार सिंह प्रान्तीय संचालक
विकास गोगिया प्रचार मंत्री
प्रवीन आर्य मीडिया प्रभारी
कै. अशोक गुलाटी
आनन्दप्रकाश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
संतोष शास्त्री राष्ट्रीय मंत्री
देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
अरूण आर्य
दुर्गेश आर्य
वीरेश भाटी
जितेन्द्र नरूला
डॉ. जयेन्द्र आचार्य
यज्ञवीर चौहान
सुरेश आर्य राष्ट्रीय मन्त्री
ओम सपरा स्वागत मंत्री
मे.ज.आर.एस.भाटिया स्वागताध्यक्ष
आ.गवेन्द्र शास्त्री बौद्धिकाध्यक्ष
विवेक अग्निहोत्री प्रबन्धक

कृष्ण कुमार यादव, सुरेश आर्य, डॉ.आर.के.आर्य, रामलुभाया महाजन, अनुपम आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. डी.के. गर्ग प्रकाशवीर शास्त्री, देवेन्द्र आर्य बंधु, रोहित कुमार सिंह, गौरव झा, विनोद त्यागी, कर्नल अमरेश त्यागी, रजनी गर्ग, मधु सिंह

कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फोन-9810117464, 9013137070, 9818530543, 9971467978
Email : aryayouth@gmail.com, Youtube : aryayuvakparishad, Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth

आर्य समाज आर के पुरम व आचार्य वरुण का अभिनंदन

रविवार 5 मई 2024, आर्य समाज आर के पुरम सेक्टर 3, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। चित्र में बीजेपी नेता नेहा शर्मा का अभिनंदन करते अनिल आर्य, स्वामी शिवा नन्द जी, रविन्द्र आर्य। प्रधान भूमेश गौड़, मंत्री वेद प्रकाश विद्यार्थी, के पी सिंह, सत्यप्रकाश आर्य, जय पाल शास्त्री आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र– आचार्य वरुण जी (स्मृति भवन जोधपुर) का दिल्ली मुखर्जी नगर पधारने पर अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य, ओम सपरा, आस्था आर्य, हर्ष देव शर्मा।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 642वां वेबिनार सम्पन्न

'त्याग की प्रतिमूर्ति आर्य सन्यासी'

मान अपमान से ऊपर उठना ही सन्यास है–आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा (ग्वालियर)

सोमवार 13 मई 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'तप त्याग की प्रतिमूर्ति आर्य सन्यासी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया ।यह करोना काल से 642 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्र शेखर शर्मा (ग्वालियर) ने आर्य समाज के 25 वीतराग सन्यासियों की चर्चा करते हुए कहा कि जो मान अपमान से ऊपर उठ जाए वही सच्चा सन्यासी है। उन्होंने विविध भावों के साथ ओजस्वी वाणी में विषय का प्रतिपादन करते हुए कहा। 1– संन्यास का अर्थ एवं भाव–, 1– सम् एवं नि उपसर्ग पूर्वक आस् धातु के साथ 'संन्यास' शब्द सिद्ध होता है। 2– सम्यक् रुप से न्यास करना ही ' संन्यास' है। 3– पुत्रैषणा, वित्तैषणा एवं लोकैषणा का पूर्ण परित्याग करना ही 'संन्यास' है। 4– यज्ञोपवीत के बाह्यसूत्र को छोड़कर ब्रह्मसूत्र और ब्रह्मभाव को धारण करना ही 'संन्यास' है।5– बाह्य शिखा को छोड़कर ज्ञानशिखा को धारण करना ही 'संन्यास' है।6– प्रबल वैराग्य, धर्मोपदेश,सत्योपदेश एवं प्राणी मात्र परम हित,परोपकार ही 'परिव्राजक' का परम स्वरूप है। तप का अर्थ एवं भाव'द्वन्द्वों का सहन करना ही तप है। 'द्वन्द्वसहिष्णुत्वं तपः' का यही भाव है। सर्दी–गर्मी, मान–अपमान, सुख–दुःख, लाभ–हानि, जय–पराजय, निंदा–प्रशंसा एवं मित्रता–शत्रुता में समभाव रखना ही 'तप' है। '3– त्याग का अर्थ एवं भाव–' संन्यास के धारण में 'ष्त्याग'ष की पराकाष्ठा है। अपने परिवार का, धन का, क्रोध का, मोह का, आसक्ति का त्याग, अभिमान का त्याग, प्रशंसा का त्याग और दुर्वृत्तियों का त्याग करना ही 'ष परम त्यागष है। '4– प्रमुख 25 आर्य संन्यासियों का वर्णन' 1– स्वामी विरजानन्द दण्डी, 2– स्वामी दयानन्द सरस्वती, 3– स्वामी श्रद्धानन्द, 4– स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती, 5– महात्मा नारायण स्वामी, 6– स्वामी स्वतंत्रतानन्द, 7–स्वामी आत्मानन्द, 8–महात्मा आनन्द स्वामी, 9–स्वामी ध्रुवानन्द, 10– स्वामी सर्वानन्द, 11–स्वामी दीक्षानन्द, 12–स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, 13– स्वामी ओमानन्द, 14–स्वामी जगदीश्वरानन्द, 15–स्वामी प्रणवानन्द, 16– स्वामी सत्यपति, 17–स्वामी धर्मानन्द, 18– स्वामी सच्चिदानन्द, 19–स्वामी विवेका नन्द, 20– स्वामी शंकरानन्द, 21– स्वामी वेदानन्द दण्डी, 22– स्वामी वेदानन्द वेदवागीश, 23–स्वामी मनीषानन्द, 24–स्वामी जीवानन्द, 25– स्वामी ओंकारानन्द आदि अनेक सन्यासियों के तपोमय एवं त्यागमय जीवनगाथा का विस्तृत विवरण दिया। मुख्य अतिथि आर्य नेता सतीश नागपाल व अध्यक्ष ओम सपरा ने भी अपने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आचार्य महेन्द्र भाई ने चर्चा को अद्भुत बताया।

'ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

अवकाश में अपने लक्ष्य के लिए ऊर्जा से तैयार हों –आचार्या श्रुति सेतिया

सोमवार 6 मई 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया ।यह कोरोना काल से 640 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा है कि गर्मी की छुट्टियों का मतलब ढेर सारी मस्ती ।ना जल्दी उठने की चिंता और ना स्कूल, कॉलेज जाने की परवाह ।परवाह है तो बस खेल कूद,मस्ती और दोस्तों के साथ घूमने की ।हमेशा यह ख्याल रहता है की इस समय का सदुपयोग कैसे किया जाए ।हम जानते हैं की संसार की सबसे मूल्यवान वस्तु है समय क्योंकि जो समय बीत जाता है उसे वापस प्राप्त नहीं किया जा सकता ।छुट्टियों का महत्व और मूल्य समझें ।छुट्टियों में आने वाले समय,लक्ष्य और भविष्य के लिए खुद को और अधिक ऊर्जा के साथ तैयार करना चाहिए,जिससे आने वाली चुनौतियों का सामना किया का सके ।छुट्टियों में पढ़ाई लिखाई का टेंशन नहीं होता,इसलिए अपने मन के अंदर झांकने की कोशिश करनी चाहिए ।अपनी कमियों और अच्छाइयों को जानने का प्रयास करना चाहिए और अपनी कमियों को दूर करना चाहिए ।छुट्टियों का उपयोग व्यक्तित्व के विकास के लिए किया जा सकता है ।अभिभावकों को सलाह दी जाती है की गर्मियों में बच्चों को कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करें ।यह समय उत्तम समय है जब हम भारत या विश्व भ्रमण के लिए जा सकते हैं। अपने कौशल को बढ़ाने हेतु हम तैराकी,घुड़सवारी, चित्रकारी और संगीत वादन सीख सकते हैं,जो ना केवल हमारे समय को उपयोगी गतिविधियों में लगाते हैं बल्कि हम एक बहुमुखी व्यक्तित्व का इंसान बन जाते हैं ।हमें अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए,जिसे हमें सिर्फ सो कर या खेलकूद कर के ही नहीं गवाना चाहिए ।अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए उन्हें अलग अलग क्षेत्रों में प्रतिभावान बनाएं,लंबा समय छुट्टियों का जो मिलता है उसे आनंद और विकाशील अनुभव के लिए बिताना चाहिए ।गर्मी के समय के दौरान समर कैंप भी चलाए जाते हैं जिसमें बहुत कुछ सीखने की गतिविधियों चलाई जाती हैं ।अपने परिवार और दोस्तों के साथ जुड़ने के लिए एक बढ़िया समय है ।अपने बच्चों को अपने पैतृक गांव ले जाएं ।अलग अलग अवकाशों पर अलग अलग योजनाएं बना कर और योजनाओं के अनुरूप सफल बनाना अच्छा विचार है ।युवा वर्ग खाली समय में पर्सनेलिटी डेवलपमेंट का शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकता है ।वास्तव में अवकाश के समय का सदुपयोग हमें अपने आध्यात्मिक विकास एवम जन कल्याण में ही करना है ।अच्छे ग्रंथो के स्वाध्याय से अपने ज्ञान को पुनः प्रकाशित करें,संत समागम,ईश्वर भजन,कीर्तन महान ग्रंथो के स्वाध्याय और दुखी लोगों की सेवा करके समय का सदुपयोग किया जाना चाहिए ।जीवन का एक उद्देश्य भी प्रमाद एवम् दुष्टात्माओं में ना हो इसका पूरा विवेक रखना ही मानव का कर्तव्य है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री कृष्णा पाहुजा व अध्यक्ष राजश्री यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970